अध्याय-1 | पालमपुर गाँव की कहानी

Worksheet-1

बहुविकल्पी प्रश्न

1. वे सभी मानवकृत वस्तुएँ जिनका प्रयोग और अधिक उत्पादन के लिए किया जाता है, उसे क्या कहते हैं?

(अ) साहस (ब) पूँजी

(स) श्रम (द) भूमि

2. भूमि मापने की मानक इकाई क्या है?

(अ) गुण्ठा (ब) बीघा

(स) एकड़ (द) हेक्टेयर

3. औज़ार, मशीन, भवन आदि को कौन-सी पूँजी कहते हैं?

(अ) कार्यशील पूँजी (ब) स्थायी पूँजी

(स) स्थायी तथा कार्यशील पूँजी दोनों (द) इनमें से कोई नहीं

मिशन ज्ञान

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

4. एक वर्ष में भूमि के एक ही टुकड़े पर एक से अधिक फसल उगाने की प्रणाली को क्या कहते हैं?

(अ) बहुविध फसल ब) फसल उगाना

(स) इनमें से कोई नहीं (द) द्वि फसल उगाना

5. उत्पादन के कारक क्या हैं (उत्पादन के लिए जरूरी स्त्रोत)?

(अ) मजदूर (ब) सभी

(स) भूमि (द) भौतिक एवं मानव पूँजी

6. जब किसान अपने खेत में बोए गये गेहूँ के उत्पादन में से कुछ भाग अपने व अपने परिवार के उपभोग के लिए निकाल लेता है तो उसे क्या कहते हैं?

(अ) गैर-कृषि उत्पादन (ब) स्व-उपभोग के लिए उत्पादन

(स) उत्पादन क्रिया (द) कृषि क्रियाएँ

7. भारत में हरित क्रांति कब आई?

(अ) 1980 के दशक के उत्तरार्द्ध में (ब) 1950 के दशक के उत्तरार्द्ध में

(स) 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध में (द) 1960 के दशक के उत्तरार्द्ध में

8. सरकार द्वारा एक खेतीहर मजदूर के लिए निर्धारित मजदूरी कितनी है?

(अ) 55 रुपए (ब) 35 रुपए

(स) 60 रुपए (द) 40 रुपए

100% FREE!

Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Download Mission Gyan App

9. निम्नलिखित में से किसके बदले में ब्याज मिलता है?

(अ) साहस (ब) पूँजी

(स) श्रम (द) भूमि

10. उत्पादन का वह साधन जिसमें व्यक्ति उत्पादन की अनिश्चितता और जोखिम को वहन करता है-

(अ) पूँजी (ब) साहस

(स) श्रम (द) भूमि

रिक्त स्थान :

11. पलमपुर में मुख्य उत्पादन गतिविधि _____ है।

12. भूमि को मापने की मानक इकाई _____ होती है।

सत्य / असत्य

13. फसल बोना, काटना, सिंचाई आदि कृषि क्रियाएँ हैं।

14. कृषि पालमपुर की मुख्य क्रिया है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. सिंचाई के क्या स्रोत हैं?

16. खेतिहर श्रमिक गरीब क्यों हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. पालमपुर की आर्थिक क्रियाओं के नाम बताइए।

18. परम्परागत खेती व आधुनिक कृषि में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. एक ही भूमि पर उत्पादन बढ़ाने के अलग-अलग कौन से तरीके हैं? समझाने के लिए उदाहरणों का प्रयोग कीजिए।

20. क्या रसायन एवं उर्वरकों के अधिक उपयोग से भूमि अपनी उर्वरता बनाए रख सकती है? समझाइए।

HOTS

21. पलमपुर जैसे गाँवों में छोटे किसान अपनी भूमि से उत्पादन क्यों नहीं बढ़ा पाते? उनकी आय बढ़ाने के लिए क्या समाधान हो सकते हैं?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

1. (ब) क्योंकि पूंजी का प्रयोग अधिक उत्पादन के लिए किया जाता है। भूमि प्राकृतिक साधन है जबकि पूंजी मानवकृत वस्तु है। मानव जितनी अधिक पूँजी लगाता है, उत्पादन उतना अधिक होता है।
2. (द) क्योंकि हेक्टेयर भूमि मापने की मानक इकाई है। जबकि गाँव में बीघा या गुण्ठा का प्रयोग किया जाता है।
3. (ब) क्योंकि औजार, मशीन, भवन आदि का प्रयोग कई वर्षों तक किया जाता है।
4. (अ) क्योंकि बहुविध का अर्थ है एक से अधिक। इस प्रकार एक से अधिक फसल उगाने की प्रणाली को बहुविध फसल प्रणाली कहते हैं।
5. (ब) सभी
6. (ब) क्योंकि यह गैर-कृषि उत्पादन नहीं हो सकता। यह कृषि से संबंधित है परन्तु इसे किसान अपने उपभोग के लिए प्रयोग करता है। इसलिए उपयुक्त उत्तर स्व-उपभोग के लिए उत्पादन है।
7. (द) 1960 के दशक के उत्तरार्द्ध में
8. (स) 60 रुपए
9. (ब) क्योंकि भूमि के प्रयोग के बदले लगान दिया जाता है, श्रम के बदले पुरस्कार के रूप में मजदूरी दी जाती है, साहस के बदले लाभ मिलता है इसलिए पूँजी के प्रयोग के बदले ब्याज मिलता है।
10. (ब) क्योंकि भूमि, श्रम, पूंजी तो उत्पादन के अनिवार्य साधन हैं। साहस ही कह साधन है जो जोखिम उठाता है। इसके बदले में पुरस्कार के रूप में लाभमिलता है। लाभ के लिए उत्पादन में जोखिम वहन किया जाता है।
11. **रिक्त स्थान :** कृषि
12. **रिक्त स्थान :** हेक्टेयर
13. **सत्य / असत्य :** सत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. सिंचाई के विभिन्न स्रोत निम्न हैं–

i. कुआँ, टैंक एवं तालाब
ii. पंप एवं नलकूप
iii. नदियाँ एवं नहरें
iv. बाँध

16. कृषि श्रमिक गरीब हैं क्योंकि –

i. ये श्रमिक भूमिहीन हैं या इनके पास भूमि का बहुत छोटा भाग है।
ii. वर्ष के दौरान उनके पास कोई कार्य नहीं है।
iii. इन मज़दूरों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मज़दूरी प्राप्त नहीं होती है।
iv. इनके परिवार बड़े होते हैं।
v. ये अशिक्षित, अस्वस्थ्य एवं अकुशल होते हैं।
vi. ये गरीब होते हैं, गरीबी ही गरीबी को जन्म देती है।

17. पालमपुर में निम्नलिखित आर्थिक क्रियाएँ हैं–

i. कृषि एक मुख्य आर्थिक क्रिया है।
ii. कृषि मजदूर के रूप में कार्य करना।
iii. दर्जी, धोबी, मोची, सुनार आदि का कार्य करना
iv. मुर्गीपालन एवं डेयरी का कार्य अपनाना।
v. गन्ने काटने की मशीन की स्थापना।
vi. दुकानदार का कार्य करना।
vii. परिवहन संचालन का कार्य करना।
viii. लघु स्तरीय निर्माण।

18.

परम्परागत कृषि	आधुनिक कृषि
कृषि में पारम्परिक बीजों का प्रयोग। जिससे गेहूँ की उपज 1300 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर थी।	कृषि में अधिक उपज देने वाले बीज HYV का प्रयोग। जिससे गेहूँ की उपज 3200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर थी।
जैविक खेती ज्यादा होती थी।	जैविक खेती ज्यादा नहीं होती थी।
सिंचाई के साधनों में नदी एवं कुओं का प्रयोग किया जाता था।	सिंचाई के साधनों में नलकूपों ट्यूबवेल का प्रयोग किया जाता था।

विज्ञान ज्ञान पढ़ें: जब चाहें, जहां चाहें, जैसे चाहें! 100% Video COURSES | QUIZ | Download Missio

19. उत्पादन बढ़ाने के तरीके:

बहुविध फसल प्रणाली: भूमि के एक ही टुकड़े पर एक वर्ष में कई फसलों को उगाना बहुविध फसल प्रणाली कहलाता है। पालमपुर के सभी किसान वर्ष में कम-से-कम दो फसलें उगाते हैं। पिछले 15-20 वर्ष से अनेक किसान तीसरी फसल के रूप में आलू की खेती कर रहे हैं।

आधुनिक कृषि तरीकों के प्रयोग: पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान आधुनिक कृषि तरीकों को अपनाने वाले भारत के पहले किसान थे। इन क्षेत्रों के किसानों ने सिंचाई के लिए नलकूपों, एच.वाई.वी. बीज, रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों का प्रयोग किया। ट्रैक्टर एवं थ्रैशर का भी प्रयोग किया गया जिससे जुताई एवं फसल की कटाई आसान हो गई। उन्हें अपने प्रयासों में सफलता मिली और उन्हें गेहूं की अधिक पैदावार के रूप में इसका प्रतिफल मिला। एचवाईवी बीजों की सहायता से पैदावार 1300 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर से बढ़कर 3200 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर तक हो गई और अब किसानों के पास बहुत सा अधिशेष गेहूँ बाजार में बेचने के लिए होता है।

20.

i. नहीं, रसायन एवं उर्वरक के अधिक उपयोग से भूमि अपनी उर्वरता नहीं बनाए रख सकती। पंजाब में निरंतर रसायनिक उर्वरक के प्रयोग से पैदावार में कमी हुई है।

ii. वर्तमान समय में किसानों को अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए अधिक से अधिक रसायानिक उर्वरक एवं अन्य साधनों के उपयोग के लिए बाध्य किया जा रहा है। यह उत्पादन लागत में भी वृद्धि करता है।

iii. रसायानिक उर्वरक खनिज प्रदान करते हैं जो पानी में घुल जाता है और शीघ्र ही पेड़-पौधों को उपलब्ध होता है किंतु यह भूमि में अधिक समय तक नहीं रहता। यह भूमि, जल, नदियों एवं झीलों को दूषित करता है।

iv. रसायानिक उर्वरक मिट्टी में पाए जाने वाले कीड़े-मकोड़े एवं सूक्ष्म बैक्टीरिया को भी मार सकता है। इसका अर्थ है कि मिट्टी की उर्वरता पहले से कम हो गई हैं।

v. रसायनिक खाद के प्रयोग से खेत की मिटटी में अम्ल की मात्रा में वृद्धि के साथ-साथ जिंक और बोरान जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होती जा रही है। इसका दुष्प्रभाव मिट्टी पर पड़ने के साथ-साथ मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है।

21. छोटे किसानों के पास सीमित भूमि होती है और वे महंगे बीज, खाद, सिंचाई और मशीनरी का खर्च वहन नहीं कर पाते। उन्हें ऋण लेने में कठिनाई होती है। ऐसे में उनकी आय बढ़ाने के लिए उन्हें सस्ते कर्ज, सरकारी योजनाओं की जानकारी, सहकारी खेती और गैर-कृषि गतिविधियों जैसे दुग्ध पालन, दुकानदारी या छोटे उद्योगों को बढ़ावा देना मददगार हो सकता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App